चतुर्थ सोपान, कार्यक्रम- 5

पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक दर्शन एवं मनोविज्ञान

(Educational Philosophy & Psychology in Sanskrit Vangmay)

20-24 जुलाई 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक दर्शन एवं मनोविज्ञान'** विषय पर पंचम पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 जुलाई से 24 जुलाई 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक दर्शन एवं मनोविज्ञान के मूलभूत सम्प्रत्ययों को पहचानना, उनका विश्लेषण करना तथा आधुनिक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्यों से ज्ञान एकीकरण करने में अन्तर्दृष्टि विकास एवं उसका शिक्षण अधिगम प्रणालियों में अर्थपूर्ण अनुप्रयोग और शिक्षणशास्त्र, आकलन, शोध, शैक्षिक विचारों आदि के लिये प्रासंगिकता। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा** (कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आन्ध्रप्रदेश) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 25 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 481 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 352 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 266 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 209 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 57 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। 209 प्रतिभागियों में भारत के 22 राज्यों से 162 प्रतिभागी तथा 3 केन्द्र शासित प्रदेशों से 47 प्रतिभागी रहे। 22 राज्यों के प्रतिभागियों में आंध्र प्रदेश से 14, असम से 04, बिहार से 09, छत्तीसगढ़ से 01, गोवा से 02, गुजरात से 01, हरियाणा से 15, हिमाचल प्रदेश से 04, झारखण्ड से 2, कर्नाटका से 06, केरला से 02, मध्यप्रदेश से 06, महाराष्ट्र से 26, ओडिशा से 04, पंजाब से 03, राजस्थान से 14, तमिलनाडु से 17, तेलंगाना से 04, त्रिपुरा से 03, उत्तराखण्ड से 03, उत्तर प्रदेश से 17, पश्चिम बंगाल से 05 तथा 3 केन्द्र शासित प्रदेश में जम्मू एवं कश्मीर से 01, चडीगढ़ से 01 एवं दिल्ली से 45 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **दस विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - संस्कृत वाङ्मय में शैक्षिक दर्शन एवं मनोविज्ञान के आधार, भारतीय दर्शन में ज्ञान मीमांसा, संज्ञानात्मकता एवं उनके शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थ, भारतीय परिप्रेक्ष्य में संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धि, तनाव प्रबन्धन एवं मूल्य आधारित शिक्षा, व्यक्तित्व एवं प्रक्षेपण, वैदिक एवं प्राचीन शिक्षा प्रणाली, न्याय एवं बौद्ध दर्शन और उनके शैक्षिक प्रासंगिकता। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर **12 दत्तकार्य** प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **45% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **77%, 19%, 03% एवं 01%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **75% उत्कृष्ट, 21%, अति उत्तम 04% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **माननीय श्री अतुल कोठारी** (राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।